other programmes under the Ministry of Human Resource Development. So, we would take his suggetion, Sir, but, definitely, we would see how we could work on it.

*184. [The questioner (SHRI V. HANUMANTHA RAO) was absent. For answer *vide* page 35]

स्किल डवलपमेंट मिशन

*185. **श्री राम जेठमलानी:**

डा. मुरली मनोहर जोशी:†

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार का देश में स्किल डवलपमेंट मिशन का गठन करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो प्रस्ताव की रूपरेखा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है, कि देश में विकासशील उद्योगों के लिये कुशल लोगों की आवश्यकता की पूर्ति हेतु अतिरिक्त उपाय आवश्यक हो गये हैं;

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ङ) उपरोक्त मिशन के गठन के प्रस्ताव को कब तक अमल में लाए जाने की संभावना है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी): (क) से (ङ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) से (ङ) स्वतंत्रता दिवस, 2006 के अवसर पर अपने भाषण में प्रधानमंत्री जी ने निरन्तर उन्नत होती अर्थव्यवस्था और उद्योगों के लिए कुशल कर्मचारियों की आसन्न कमी का उल्लेख किया था और हमारी अर्थव्यवस्था में कुशल कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए सरकार द्वारा 'व्यावसायोन्मुख शिक्षा मिशन' शुरू करने की योजना की घोषणा की थी। उस घोषणा के आधार पर योजना आयोग ने कौशल विकास संबंधी एक कार्यबल का गठन किया है। यह कार्यबल सुझाव देगा कि 11वीं पंचवर्षीय योजना और उसके बाद भारत की निरन्तर उन्नत होती अर्थव्यवस्था हेतु कुशल जनशक्ति की आवश्यकताओं की किस प्रकार पूर्ति की जाए। कार्यबल यह भी सुझाव

†सभा में यह प्रश्न डा॰ मुरली मनोहर जोशी द्वारा पूछा गया।

देगा कि इस कार्य को करने के लिए मिशन का स्वरूप और कार्यक्षेत्र कैसा होगा। साथ ही, यह कुशल जनशक्ति की आवश्यकता की पूर्ति हेतु अतिरिक्त उपाय भी सुझाएगा। योजना आयोग ने सूचित किया है कि कार्यबल से यह अपेक्षा की जाती है कि वह मार्च, 2007 के अंत तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगा।

Skill Development Mission

†*185. SHRI RAM JETHMALANI:
DR. MURLI MANOHAR JOSHI:††

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have a proposal to set up a Skill Development Mission in the country;

(b) if so, the outlines of the proposal;

(c) whether it is also a fact that additional measures are required to meet the requirement of skilled workers for the developing industries in the country;

(d) if so, the reaction of Government thereto; and

(e) by when the proposal for setting up of said mission is likely to be implemented?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MD. ALI ASHRAF FATMI): (a) to (e) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (e) In his speech on the Independence Day, 2006, the Prime Minister referred to the imminent shortage of skilled employees for the booming economy and growing industry and announced the plan of the Government to launch a Mission on Vocational Education to address the skill deficit in our economy. Based on this announcement, a Task Force on Skill Development has been constituted by the Planning Commission to make recommendations on how to meet the requirements of skilled

†Original notice of the question was received in Hindi.
††The question was actually asked on the floor of the House by Dr. Murli Manohar Joshi.

manpower for India's growing economy during the Eleventh Five Year Plan period and beyond. The Task Force is also required to suggest the nature and scope of the Mission to carry out this mandate, and to recommend additional measures to meet the requirement of skilled manpower. The Planning Commission has informed that the Task Force is expected to submit its report by end of March, 2007.

डा. मुरली मनोहर जोशी: श्रीमन्, जो वक्तव्य सदन के पटल पर रखा गया है, उसमें दोनों महत्वपूर्ण बातों का उत्तर नहीं है। पहली बात तो यह है कि वे एडिश्नल मेजर्स, इस स्किल को लाने के लिए जो अतिरिक्त उपाय आपको करने हैं, उनका इसमें कोई जिक्र नहीं है। दूसरी बात यह है कि आपने इसे प्लानिंग कमीशन के ऊपर टाल दिया है। क्या आपकी मिनिस्ट्री भी इस संबंध में कुछ कर रही है, उसका कोई जिक्र आपने नहीं किया है। मेरा सवाल यह है कि जो आप कुशलता विकसित करेंगे, स्किल्स विकसित करेंगे, अकेले आईटी सेक्टर में इस वक्त आप सात या आठ लाख लोगों को तैयार करके दे रहे हैं, स्किल्ड मैनपॉवर के तौर पर। आने वाले दो साल में करीब-करीब ढाई करोड़ लोगों की जरूरत इस सेक्टर में पड़ेगी। इस प्रकार सात या आठ लाख से या अगर दस लाख भी हैं, उससे ढाई करोड़ लोगों तक जाने के लिए आपके पास क्या उपाय है? क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण सेक्टर है, सारा एक्सपोर्ट आप इससे ले रहे हैं। इसके लिए मिनिस्ट्री को ही कुछ न कुछ करना पड़ेगा। प्लानिंग कमीशन का इंतजार आप नहीं कर सकते। दूसरा, स्किल का जो दूसरा स्तर है, वह इससे नीचे का है जो आइटीआई में है। वह इत्तेफाक से श्रम मंत्रालय के पास है, वह शिक्षा मंत्रालय के पास नहीं है, एचआरडी के पास नहीं है। आवश्यकता जिस स्किल्ड लेबर की और स्किल्ड मैनपॉवर की इस स्तर पर है, वह बहुत बड़ी है। इंडस्ट्रीज इसके बारे में बहुत चिंतित हैं। इसलिए इस संबंध में आप क्या करने वाले हैं? आप करेंगे या श्रम मंत्रालय करेगा या दोनों मिलकर करेंगे या कोई नहीं करेगा? यह बहुत खतरनाक स्थिति है, जहां उद्योगपति बराबर इस बात की मांग कर रहे हैं कि कहीं भी ठीक प्रकार का व्यक्ति नहीं मिलता है। इसलिए मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इन दोनों क्षेत्रों में सरकार क्या कर रही है?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: महोदय, आपका जो सवाल है-स्किल्ड डेवलपमेंट मिशन का अनाउंसमेंट 2006 में इंडीपेंडेंस डे के अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने किया था, उसमें उन्होंने कहा था: As our economy booms and as our industry grows, I hear a pressing complaint about an imminent shortage of skilled employees. As a country endowed with huge human resources, we cannot let this be a constraint. We are planning to launch a Mission on Vocational Education so that the skill deficit in our economy is addressed. ...*(Interruptions)*...

डा. मुरली मनोहर जोशी: यह तो आपने रख दिया है।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: जो उन्होंने डायरेक्शंस दीं, उसके बेसिज पर डा. तरुण दास के अंडर एक स्पेशल टास्क फोर्स प्लानिंग कमीशन के जरिए बना दिया गया है, जो डिटेल में इन चीजों को देख रहा है कि किस तरह से जो आज इकॉनमि ग्रो कर रही है या इंडस्ट्री की जो रिक्वायरमेंट है, उसके हिसाब से हमें आगे वोकेशनल ट्रेनिंग में क्या करना है, उसकी तैयारी वह कर रहा है।

डा. मुरली मनोहर जोशी: श्रीमन्, इसको थोड़ा स्पष्ट करें कि प्लानिंग कमीशन और टास्क फोर्स जो करेंगे, वह तो करते ही रहेंगे। आपका मंत्रालय है, ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट, इसलिए इस स्किल डेवलपमेंट के लिए आप जिम्मेदार हैं। प्लानिंग कमीशन करे या न करे, यह तो ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट मिनिस्टरी की जिम्मेदारी है। बराबर यह बात कही जा रही है कि स्किल्ड लेबर का बहुत ज्यादा अभाव इस देश के अंदर है। उसके लिए मिनिस्टरी ने भी कुछ सोचा है या नहीं सोचा है? प्रधानमंत्री कहेंगे और सारा विचार होगा ...(**व्यवधान**)... एक क्षण के लिए सुन लीजिए। सर, जो गैप है, जो अंतराल है, वह इतना बड़ा है कि तीन साल तक अगर आपकी टास्क फोर्स की रिपोर्ट नहीं आएगी, तब तक यहां क्या होगा? यहां आपका सारा आईटी सैक्टर खत्म हो जाएगा। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध यह है कि आप यह भी बताएं कि क्या आप इंतजार करते रहेंगे और इस बीच में कुछ नहीं करेंगे, हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे और हमारी स्किल इसी तरह से ...(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: आपका जो क्वेश्चन आज का था, वह उस मिशन के लिए था, जो प्रधानमंत्री ने अनाउंस किया है। आप अपने क्वेश्चन को ठीक से देख लें। जहां तक सवाल पैदा होता है ...(**व्यवधान**)...

डा. मुरली मनोहर जोशी: उसी पर ही मैंने सवाल पूछा है। उस मिशन के अंतर्गत ही ये दोनों चीजें आती हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: मैं जवाब दे रहा हूं।

डा. मुरली मनोहर जोशी: तो दीजिए। दोनों चीजें उसी मिशन के अंतर्गत आती हैं।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: इसके अलावा वोकेशनल ट्रेनिंग के जो कोर्सिज चल रहे हैं, वह सीबीएसई चलाती है, स्टेट और सेंटर मिलकर भी कुछ वोकेशनल कोर्सिज चलाते हैं। उसके अलावा इंदिरा गांधी ओपन यूनिवर्सिटी वोकेशनल कोर्सिज चलाती है, एनआईएस कोर्सिज चलाती है। लेकिन अगर आप ओवरऑल पिक्चर देखेंगे तो ये कामयाब नहीं हैं, जितना हमने स्टेट्स को पैसा अलॉट किया है या जितना हमारे पास पैसा है, उतने पैसे का इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है इसलिए हम इंतजार कर रहे हैं कि यह स्पेशल टास्क फोर्स जो डा. तरुण दास की अध्यक्षता में बनी है, इससे हमें रिजल्ट मिल जाएगा और उसके अनुरूप एक बड़ी स्कीम बनाकर हम उनके सामने लाएंगे।

श्री सभापति: डा. नजमा ए. हेपतुल्ला।

डा. मुरली मनोहर जोशी: सभापति जी ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: उन्होंने जवाब दे दिया है ...(व्यवधान)...

डा. मुरली मनोहर जोशी: सभापति जी, मैं यह निवेदन कर रहा हूं कि मेरा मूल प्रश्न है, आप उसकी तरफ जाइए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मेरा भी मूल प्रश्न है कि सप्लीमेंटरी और भी ...(व्यवधान)...

डा. मुरली मनोहर जोशी: मुझे जवाब नहीं मिल रहा है।

श्री संतोष बागड़ोदिया: आप उसे complicate कर रहे हैं।

डा. मुरली मनोहर जोशी: मैं कोई complicate नहीं कर रहा हूं। मैं बहुत स्पष्ट पूछ रहा हूं कि आप जो भी मिशन बनाएंगे, उस मिशन में पूरी टेक्नीकल और वोकेशनल ट्रेनिंग होगी-आईटी सेक्टर के लिए भी होगी और बाकी सेक्टर्स के लिए भी होगी। मैंने उदाहरण के लिए आपको बताया कि वहां इतना बड़ा गैप है। फिर मैंने यह भी कहा कि आईटीआईज आपके अंडर नहीं हैं, वह लेबर मिनिस्टरी चलाती है। आप कैसे उस गैप को पूरा करेंगे? आपके पास इस संबंध में कोई योजना है या नहीं या फिर सिर्फ प्लानिंग कमीशन पर ही आप छोड़ देंगे?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सर, मैंने कहा कि सीबीएसई के पास स्कीम है।

डा. मुरली मनोहर जोशी: सीबीएसई उसमें क्या करेगी?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: वोकेशनल स्कीम इग्नू के पास है, एनआईएस के पास है, वे सब एमएचआरडी के अंडर है। लेकिन जो आज आपका प्रश्न है, वह स्किल्ड मिशन के ऊपर है, मैं वहां की बात कर रहा हूं। ऑलरेडी बहुत सारे वोकेशनल कोर्सिज चलाए जा रहे हैं, सीबीएसई के जरिए, एग्नू के जरिए, एनआईएस के जरिए, वे भी एमएचआरडी के अंडर आते हैं। इस बात को आप समझिए। और क्या जवाब चाहिए आपको? ...(व्यवधान)...

DR. (SHRIMATI) NAJMA A. HEPTULLA: Sir, Dr. Murli Manohar Joshi has put up a question on very advanced skills in the IT sector, which is the sunrise technology. India is very fortunate that it has got indigenous skills all over the country. We have people in Kashmir, we have people in U.P., we have people in the south of India who have got skills; for generations they have inherited the skills of weaving, embroidery, wood carving and stone carving. I would like to know from the hon. Minister as to what the

Government is doing to protect those skills which are already there. Is there any scheme to prepare some specialised tool kits for these people? Are you thinking of putting these courses, or training of these things, into your curriculum, region-wise, wherever they are prevailing?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सर, जैसा मैंने पहले बताया कि हमारी बहुत सारी वोकेश्नल ट्रेनिंग की स्कीम्स हैं।

डा० (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला: मंत्री जी, आप स्पेसिफिक जवाब दीजिए, नहीं तो कह दीजिए कि आपको नहीं मालूम और महिला मंत्री को दे दीजिए, वे बता देंगी।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: कैसे नहीं मालूम? मैं आपको बता रहा हूं कि हमारी ये स्कीम्स हैं जो सीबीएसई चला रही है।

डा० (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला: कहां चला रही है? मैंने स्पेसिफिक सवाल किया है कि क्या आप ऐसे वोकेश्नल कोर्सिज उनके करिकुलम में डालेंगे, रीजनल स्पेसिफिक, जहां बच्चों को यह तालीम दी जा सके ताकि वे अपनी ट्रेडिश्नल स्किल को कायम रख सकें।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सीबीएसई 39 जॉब ओरिएंटिड वोकेश्नल कोर्सिज़ प्लस टू लेवल पर चलाती है। इग्नू 132 केरियर ओरिएंटिड वोकेश्नल कोर्सिज़ चलाती है।

श्री एस० एस० अहलुवालिया: उसमें यह है क्या?

श्री सभापति: जरा उन्हें बोलने दीजिए।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ ओपन स्कूलिंग आठवीं, दसवीं और 12वीं के लेवल पर चलाती है। उसके अलावा जन शिक्षण संस्थान कुछ वोकेश्नल कोर्सिज़ चलाती है। जो आपका कंसर्न है - जन शिक्षण संस्थान चलाती है। उसके अलावा कम्युनिटी पॉलिटेक्नीक है जो 50 मुल्कों में चलाए जाते हैं। जो इस तरह की चीज़ों की केयर करते हैं। तो कोर्सेस तो बहुत सारे चल रहे हैं, लेकिन आज जो प्रधान मंत्री जी ने बात कही है Skill Vocational Mission की, वह बहुत जरूरी है। उसकी बात प्लानिंग कमीशन में चल रही है। एक कमेटी बन चुकी है, जब उसके रिज़ल्ट्स आ जाएंगे, हम उसको इंप्लिमेंट करने का काम करेंगे और यह प्लानिंग कमीशन के अंदर है। ...(व्यवधान)...

डा० (श्रीमती) नजमा ए० हेपतुल्ला: मंत्री जी ने कोई जवाब नहीं दिया है। ...मंत्री जी, आपने जवाब नहीं दिया।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: जवाब तो दे दिया है, आपको कैसा जवाब चाहिए? ...(व्यवधान)... जो वोकेशनल ट्रेनिंग ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: माननीय मंत्री महोदय, Please take your seat. ...*(Interruptions)*...

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: Ministry of HRD should be transferred to Planning Commission.

श्री दत्ता मेघे: सर, आज जो स्किल्ड इंजीनियर्स की बात हो रही है, मेरी इनफॉर्मेशन ऐसी है कि आज तीन लाख से ज्यादा इंजीनियर्स बेकार हैं, पब्लिक कॉलेज जो चलाते हैं, बेकार हैं और आज कॉमर्स के जो भी कोर्सेज हैं, वहां टेक्नीकल कोर्सेज शुरू कर दें कंपलसरी, तो मुझे ऐसा लगता है कि अलग से कोई योजना करने की जरूरत नहीं, बहुत से Arts और कॉमर्स के जो ग्रेजुएट्स हैं, उनको थोड़ा टेक्नीकल ट्रेनिंग दें, यह भी थोड़ा हो सकता है आज जो बेकार हैं, उनको भी काम मिलेगा, लेकिन जो बी॰ ई॰ पास हैं, इसमें जो बेकारी है, उसका भी ख्याल रखें और जहां-जहां आर्ट्स और कॉमर्स कॉलेज हैं, वहां ये कोर्सेज खोलिए, तो इन लोगों को भी काम मिल सकता है।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सर, मैंने पहले भी बताया कि 132 कैरियर ओरिएंटेड वोकेशनल कोर्सेज इग्नू चला रही है और उसमें कोई प्रॉब्लम की बात नहीं है। ऑलरेडी इग्नू के पास उस तरह के कोर्सेज हैं चलाने के लिए और सी॰बी॰एस॰ई॰ ऑलरेडी 39 जॉब ओरिएंटेड कोर्सेज चला रही है। उसके अलावा स्टेट और सेंटर मिलकर कुछ वोकेशनल कोर्स चला रहे हैं। अब यह बात इनकी समझ में आए तब न?

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सर, मेरा सिर्फ इतना ही पूछना है कि स्किल डेवलपमेंट मिशन में जो इन्होंने सी॰बी॰एस॰ई॰ और प्लानिंग कमीशन की बात कही है, इस देश में एक Apprenticeship Act था, जो कि अखबारों में जो भी advertisement निकलता है नौकरी के लिए, नौजवान जो कॉलेज से, यूनिवर्सिटी से पास करके निकलते हैं, उनसे पूछा जाता है कि कितना एक्सपीरिएंस है? तो माता के गर्भ से पैदा होकर तो बच्चा एक्सपीरिएंस नहीं लाता? जो किसी कारख़ाने में, कल-कारखाने में एक्सपीरिएंस गेन कर रहा है, उसके लिए Apprenticeship Act था, जो 1971 में पास किया गया था। वह defunct हो गया, क्योंकि पब्लिक सेक्टर बंद हो गए। तो क्या यह Apprenticeship Act, नई शेप में और नए आइडियाज़ लेकर जॉब ओरिएंटेड Apprenticeship Act, उनकी पढ़ाई के बाद, उनकी शिक्षा के बाद, आज की नई दुनिया के लिए नए आयाम जो रोज़गार के निकले हैं, उस पर उनको ट्रेनिंग देने का काम शुरू करेंगे, जिसमें कि Apprenticeship Allowance भी मिलता है?

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सर, अहलुवालिया जी बहुत सीनियर मैम्बर हैं, इनको यह नहीं मालूम कि यह आई॰ टी॰ आई॰ पास करने के बाद बच्चों को apprenticeship की ट्रेनिंग दी जाती है और वह आई॰ टी॰ आई॰ से जुड़ा हुआ है। ....(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: नहीं....नहीं....यह आई॰ टी॰ आई॰...(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: सुनिए आप confirm कर लीजिएगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मंत्री जी को बोलने दीजिए।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: आई॰ टी॰ आई॰ के बाद यह apprenticeship चलाई जाती है, उसका कोर्स का हिस्सा होता है, जब वह पास करने के बाद ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: मैनेजमेंट ट्रेनी किसको कहते हैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: मैं बता रहा हूं आपको...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: एम॰ बी॰ ए॰ पास करने पर भी होता है। ...(**व्यवधान**)... क्या बात करते हैं आप? आई॰ टी॰ आई॰ की बात कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: मैं apprenticeship और आई॰ टी॰ आई॰ की बात कर रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: मैनेजमेंट ट्रेनी किसको कहते हैं?...(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: मैनेजमेंट ट्रेनी को छोड़िए, मैं apprenticeship और आई॰ टी॰ आई॰ की बात कर रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: छोड़ें क्या? ...(**व्यवधान**)... क्या छोड़ें? ...(**व्यवधान**)...मैंने जो सवाल आपसे किया, उसका जवाब आपने नहीं दिया।

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी: किस चीज़ का सवाल किया आपने? ...(**व्यवधान**)... सर, इन्होंने apprenticeship की बात कही है, जो आई॰ टी॰ आई॰ पास करने के बाद बच्चे इंडस्ट्री के अंदर करते हैं और जो भी आई॰ टी॰ आई॰ पास करता है, उसकी apprenticeship कराई जाती है और जहां तक सवाल पैदा होता है, आई॰ टी॰ आई॰ के कोर्सेज को फिर से रिव्यू करने का, उसको देखने का, उसको हम लोग देख रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

डॉ॰ (श्रीमती) नजमा ए॰ हेपतुल्ला: सर, मंत्रियों को भी जवाब देने की ट्रेनिंग होनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.